

G.3.24 पत्रावली पेडा हुई। कर्मल उमयपका उपखिन्न।

कर्मल उमयपका सुनी गई। मौजा खडगदा के खेत  
सं. 945/859 के कुल खसरा 10 कुल रेकबा 0.6144  
हे. प्रार्थी गठ के खातेदारी रुकामित्व की है। जिसके  
उपभोग उपभोग में अप्रार्थी गठ रुकावट पैदा कर  
रहे है। उक्त खेत के ख. नं. 5358 के अन्त  
तक अप्रार्थी गठ के खेत होकर वह प्रार्थी की  
भूमि पर अतिक्रमण कर परकोटे निम्न का उन्मूलन  
कर रहे है।

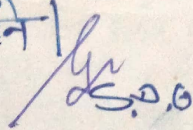
अप्रार्थी गठ के द्वारा प्रार्थी गठ को  
आराजी जरिये बेचान/इकरार नामा के वर्ष  
1991 से कर मोके पर कब्जा प्राप्त किया है।  
वर्ष 2004 में अप्रार्थी गठ ने उक्त आराजी की  
राजिस्ट्री भी अप्रार्थी गठ के पक्ष में कर दी,  
परन्तु मुलका आराजी नं. 5358 को उक्त  
राजिस्ट्री में करना बह गवा। ख. नं. 5357 के

5358 पर परामतली करण कड वृधि करि क्रिया जा  
बहा है। छव वृधि भी उपयो गण के द्वारा लगाने  
गये है। उक्त खसरो के उपयोग, उपयोग में  
प्रयोग का क्रमवत् नही डील।

पत्रावली पर उपयो गण के द्वारा दस्तावेज  
विक्रम पर पेश नही क्रिया गया। प्रयोग के द्वारा  
पेश जमावती में मोमा खड़गदा के खं नं. 5309,  
5310, 5318, 5319, 5320, 5325, 5351, 5358,  
5362 व 5363 प्रयोग के खाते दर्ज रेकॉर्ड  
है। एवं फिनांक 9/6/2021 के अनुसार खं नं. 5358  
का सिमांक भी क्रिया गया है।

यह कि दस्तावेज प्रकरण में कृष्ण एवं  
स्वामित्व को लेकर उभय पक्षों के बिच में  
विवाद है। जो मूल पत्रावली में दस्तावेजी एवं  
मोखिक साक्ष्य से ही तय किया जाना कामं है।

पत्रावली में उपरोक्त विवेक के आधार  
पर उभय पक्ष को मूल काद के विस्तारण एवं नोंद  
गुप्त खाता सं. 945/859 के खं नं. 5358 व  
5357 के सौके एवं रेकॉर्ड अमानिष्ठित बनाने  
बचने के आदेश दिये जाते है। आदेशबुले  
न्यायालय में सुनाया गया। पत्रावली फेसल हुमाद  
होकर नम्बर से कम होवे। मूल पत्रावली के साथ  
संलग्न रहने।

  
S.O.G